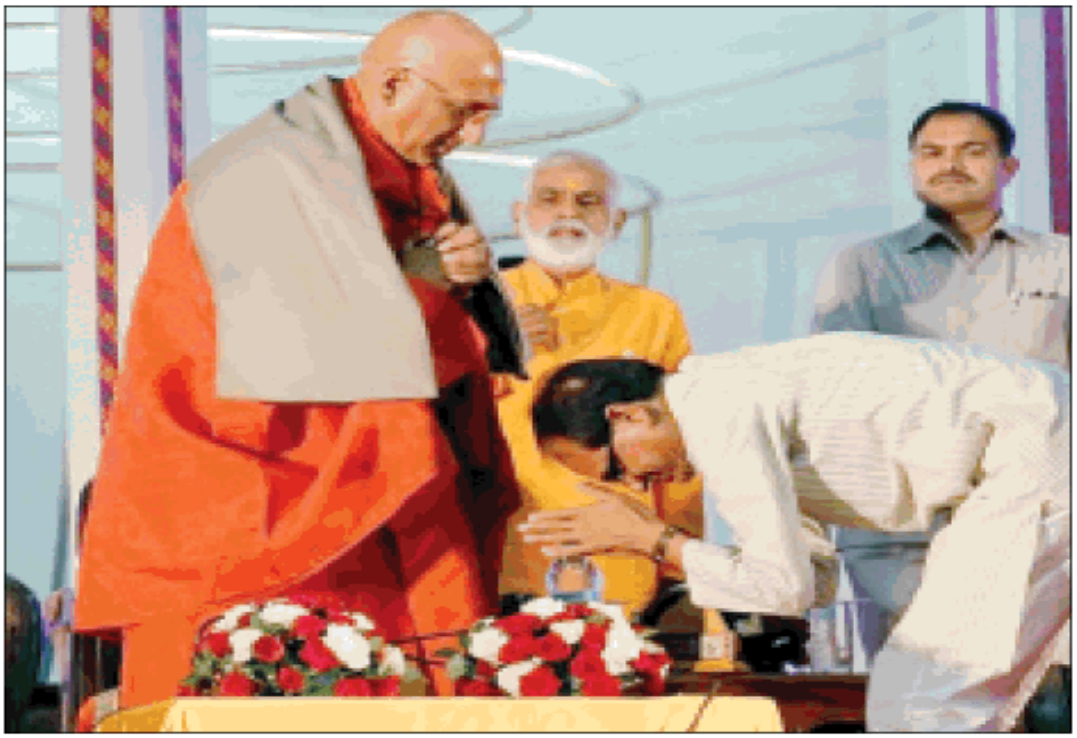

विश्व धर्म धम्म सम्मेलन में महामंडलेश्वर स्वामी अवधेशानंद गिरि से आशीर्वाद लेते सीएम शिवराज।

सब सुनाना चाहते हैं, पर बिना सुने कल्याण नहीं: अवधेशानंद गिरि

इंदौर। विश्व धर्म धम्म सम्मेलन के दूसरे दिन रविवार शाम जूना अखाड़ा के प्रमुख महामंडलेश्वर स्वामी अवधेशानंद गिरि को सुनने ब्रिलियंट कन्वेंशन सेंटर का मुख्य सभागार खचाखच भर गया। उनके उद्‌बोधन का केंद्र उज्जैन का सिंहस्थ था। उसी से जीवन प्रबंधन के सूत्र निकले।

1-भोगवाद सबसे खतरनाक- स्वामी जी ने कहा कि आतंकवाद, नक्सलवाद आदि से भी खतरनाक पश्चिम का भोगवाद है। हम संसार को घर मानते हैं, जबकि पश्चिम बाजार। बढ़ता प्रदूषण भी इसी भोगवाद का परिणाम है।

2-संवाद ही सर्वोपरि: जीवन में हमेशा संवाद कायम रखें। अपने आप से भी। संवाद में ही समाधान होता है।

3-हम अपनी सोच का ही परिणाम: हम जो भी होते हैं, अपनी ही सोच का परिणाम होते हैं। इसलिए सकारात्मक ही सोचें।

4-अपने वर्चस्व पर न अड़ें: हमें अपने वर्चस्व को लेकर नहीं अड़ना चाहिए। यह पतन की ओर ले जाता है।

5-धर्म देना सिखाता है- स्वामी जी ने कहा धर्म देना सिखाता है। हम जो भी कार्य करें, उसमें अपना सर्वश्रेष्ठ दें।

6- दूसरों की बात सुनें: जीवन का सत्य है दूसरों की बात सुनने की क्षमता। आज लोग सिर्फ सुनाना चाहते हैं। सुनने को कोई तैयार नहीं। बिना सुने कल्याण नहीं।

7- अच्छा व्यवहार: जो व्यवहार हमें अच्छा नहीं लगे, वैसा व्यवहार हमें दूसरों के साथ नहीं करना चाहिए।

8- सर्व धर्म समभाव: भगवान कृष्ण ने कहा कि अपने धर्मग्रंथ पर निष्ठा रखें और अन्य के ग्रंथों का आदर करें। हम अपने धर्म के साथ दूसरों के धर्म का आदर करेंगे तो वैमनस्य समाप्त होगा।

समापन सत्र में आज आएंगे श्रीश्री रविशंकर

तीन दिनी धर्म-धम्म सम्मेलन का समापन सोमवार को होगा। दोपहर 1.30 बजे होने वाले समापन सत्र में आर्ट ऑफ लिविंग के संस्थापक श्रीश्री रविशंकर उपस्थित रहेंगे। वे मानव कल्याण के लिए धर्म विषय पर संबोधित करेंगे। सत्र की अध्यक्षता मुख्यमंत्री शिवराजसिंह चौहान करेंगे। केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री डॉ. महेश शर्मा मुख्य अतिथि होंगे। विशेष अतिथि सेंट्रल तिब्बत एडमिनस्ट्रेशन धर्मशाला के सिकयोंग डॉ. लोबसांग सांगे और संस्कृति मंत्री सुरेंद्र पटवा होंगे।